

सुरक्षित जीवन के लिए एलर्ट और एक्चूरेट रहें – दादी जानकी

शान्तिवन: राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा 'गति, सुरक्षा, आध्यात्मिकता' नामक समसामयिक विषय पर राष्ट्रीय महासम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें भारत एवं नेपाल के रेलवे, पर्यटन, ऑटोमोबाइल तथा परिवहन क्षेत्र के 5500 से अधिक संख्या में पधारे प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में मेहमानों का स्वागत करते हुए प्रभाग के अध्यक्ष बी.के. ओमप्रकाश ने कहा कि सुरक्षित जीवन के लिए वाहन की गति के साथ-2 मन के संकल्पों की गति पर भी नियंत्रण की जरूरत है। राष्ट्रीय संयोजिका बी.के. दिव्यप्रभा ने महासम्मेलन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि सुरक्षा के लिए नियमों की पालना तथा मन की एकाग्रता का बहुत महत्व है।

पर्यटन मंत्रालय में सहायक महानिदेशक, भ्राता डी. वेंकटेशन ने कहा कि पर्यटन व्यवसाय में धैर्यता जरूरी है। व्यवहार कुशलता से हम अनेकों को संतुष्ट कर सकते हैं। यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में आध्यात्मिक शक्ति के आधार से हर परिस्थिति में हम सुरक्षित अपनी मंजिल की ओर बढ़ सकते हैं। मानसिक सशक्तिकरण के लिए राजयोग अति उपयोगी माध्यम है। राजमार्ग एवं परिवहन मंत्रालय में सलाहकार, भ्राता ओ.पी.शेमर ने कहा कि 78% सड़क दुर्घटनायें मानवीय गलती के कारण होती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इनमें 50% तक कमी लायी जा सकती है। अतः आज मैं सभी का आह्वान करता हूँ कि आप दुर्घटनाओं में कमी लाने का संकल्प करें। आध्यात्मिकता के माध्यम से तन और मन के समन्वय से यह सहज संभव है। ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमें जीवन में सुरक्षा के लिए कार्य करते समय एलर्ट, एक्चूरेट रहें और आलराउण्डर बन कार्य करें। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता से दिल साफ और यात्रा सेफ होगी। एकॉनामी, एकनामी और एकाग्र शब्दों पर हर पल ध्यान दें तो सफलता अवश्य मिलेगी। बी.के. संगीता ने विश्व पर्यटन दिवस पर 'जल-संरक्षण' की प्रतिज्ञा कराई। एन. एफ. आई. आर. के राष्ट्रीय अध्यक्ष भ्राता गुमान सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बार-बार होने चाहिए। बी.के. सुरेश शर्मा ने सबका धन्यवाद किया और इलाहाबाद से पधारी बी.के. मनोरमा ने मंच संचालन किया।

पांच दिवसीय इस महासम्मेलन में 5 तकनीकी और 6 मेडीटेशन सत्रों का आयोजन हुआ। इन सत्रों में मीटिंग चैलेन्जिंग-ग्रीटिंग चेन्ज, सेफ हाईवे ऑफ लाइफ, सर्विस विद स्माइल जैसे तकनीकी सत्र तथा इटर्नल ट्रैक्टर, जर्नी टू रिगैन ईनर पावर्स और ट्रैफिक कण्ट्रोल ऑफ दी माइण्ड जैसे मेडीटेशन सत्र शामिल थे। शान्ति - अनुभूति सत्रों का सभी प्रतिभागियों ने लाभ लिया। मेमोरी मैनेजमेण्ट नामक विशेष सत्र भी आयोजित हुआ जिसमें बी.के. ई. वी. स्वामीनाथन ने स्मरण-शक्ति विकास के गुर सिखाए। संगीत संध्या, 'क्रोध-नियंत्रण की कला' एवं प्रश्नोत्तर सत्र के अलावा वैल्यूज फॉर जॉयफुल जर्नी नामक चर्चा सत्र का 7 समूहों में आयोजन हुआ जिन्हें बहुत सराहा गया। प्रतिभागियों में सकारात्मक सोच विकसित करने एवं मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देने के लिए उन्हें 'खुशनसीब', 'रूह-ए-गुलाब' व 'सफलतामूर्त' जैसे विशेष नाम दिये गये। शारीरिक स्वास्थ्य लाभ के लिए सभी को रोजाना सुबह-2 व्यायाम भी कराया गया।

गोवा के परिवहन मंत्री भ्राता सुदिन धवलिकर ने विशेष सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि विचलित मन को काबू करके हम तन को स्वस्थ और मन को तनावमुक्त कर सकते हैं जिसके लिए आध्यात्मिकता बहुत ही कारगर उपाय है। हमें परिवार, व्यवसाय और समाज में अपनी जिम्मेवारी को समझने और वाहन दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यहां दी जा रही शिक्षा को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी, सेक्रेटरी जनरल भ्राता निर्वैर भाई व शान्तिवन प्रबंधक भूपाल भाई ने भी विशेष सत्रों में प्रतिभागियों को अपने अनुभवों से लाभान्वित किया।

‘मीटिंग चैलेन्जिज, ग्रीटिंग चेंज’ सत्र में मुख्य वक्ता बी.के. डा. गिरीश पटेल ने कहा कि जीवन में चुनौती आना महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किस प्रकार से काम करते हैं, वह महत्वपूर्ण है। चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए 3 सूत्रीय विधि बताई – ‘फेस इट, फाइट इट एण्ड फीनिश इट’। उन्होंने कहा कि तनाव से मुक्त होने के लिए हमें तनाव से दोस्ती को छोड़ देना है। कभी-2 हमारे काम के कारण भी तनाव हो सकता है परन्तु उसे समाप्त करने के लिए मन से तैयार होना है। किसी की कम्प्लेन न करें बल्कि परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए स्वयं को तैयार करें।

‘सेफ हाईवे ऑफ लाइफ’ सत्र में मुख्य वक्ता बी.के. ई. वी. स्वामीनाथन ने कहा कि सेफ ट्रैफिक के लिए नियमों की पालना जरूरी है परन्तु हम देखते हैं कि ऐसा करते नहीं हैं। नियमों की पालना करने के लिए मन से तैयारी जरूरी है और उसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान के आधार पर स्वयं को देहभान से दूर करना है। आत्मिक स्मृति से व मानवीय गुणों की धारणा से सकारात्मक परिवर्तन आता है और सुरक्षित यात्रा संभव है। यात्रा में सहयोग देने वालों को दिल से धन्यवाद देकर, उन्हें नियम पालना हेतु प्रोत्साहित करें।

‘ट्रैफिक कंट्रोल ऑफ दी माइण्ड’ सत्र में मुख्य वक्ता बी.के. स्नेहा ने कहा कि मन पर पड़ने वाले बोझ से बचने के लिए परमात्मा ने ऊपरी कक्ष बनाया है, अतः वहां पर बोझ उसे सौंपकर हल्के रहें। मन से हल्का होकर प्रभू प्रेम का आनन्द लेने के लिए मन के संकल्पों को दिशा देना जरूरी है। खुशहाल व सुरक्षित जीवन के लिए संकल्पों के ट्रैफिक पर ध्यान देने का अभ्यास करें। आप यह शुभ शुरुआत आज व अभी से करें।

‘सर्विस विद स्माइल’ सत्र में मुख्य वक्ता बी.के. ई. गिरीश ने कहा कि *खुशी के लिए जीने के बजाय खुशी-खुशी से जीने की आदत* डालने से सदा मुस्कुराते हुए सेवा कर सकेंगे। सर्विस ऐसा कार्य है जिसमें सफलता उसकी गुणवत्ता तथा उपलब्ध कराने वाले के व्यवहार पर निर्भर होती है और ग्राहक की सन्तुष्टि सबसे महत्वपूर्ण होती है। उसके लिए मन में विभिन्न परिस्थिति में खुशी बनाये रखना और मुस्कुराते रहना बहुत कारगर होता है।

‘हिलिंग रिलेसनशिप’ सत्र में मुख्य वक्ता बी.के. श्रेया ने कहा कि जीवन को सुखद बनाने के लिए आपस में शेयर करें। एक दूसरे को रेसपेक्ट दें। नकारात्मक सोच – ‘कहीं कुछ हो न जाए’ से हमेशा दूर रहें। सम्बन्धों में साक्षीभाव रहे। मैं शान्त स्वरूप व शक्ति सम्पन्न आत्मा हूँ और मुझे मिला हुआ रोल अच्छी तरह करना है। ऐसी सोच से हम संबंध सुखदायी एवं बेहतर बना सकते हैं जिससे अपना कार्य समय पर व अच्छी रीति से कर सकेंगे।

मेडीटेशन सत्रों में तीनों वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बहनों – बी.के. ऊषा, बी.के. गीता व बी.के. शीलू ने अपने अनुभव युक्त प्रवचन से लाभान्वित किया तथा आध्यात्मिकता को अपनाने की सहज विधि सिखाई।

इस सेमीनार में कई विशेष मेहमान शामिल हुए। उनमें से कुछ वक्ताओं के नाम इस प्रकार हैं - भारतीय पर्यटन विकास निगम, दिल्ली के एम.डी. भ्राता गिरीश शंकर, दक्षिण-पूर्व रेल, कोलकाता के सी.ए.ओ. भ्राता रतन कुमार, रेल विकास निगम, पटना के सी.पी.एम. भ्राता विकास चन्द्र, ए.एम.टी.सी.अहमदाबाद के अध्यक्ष बाबूभाई झडपिया, कदम्बा ट्रांसपोर्ट, गोवा के डी.जी.एम. भ्राता संजय घाटे, उत्तर-पश्चिम रेलवे, जयपुर के ए.सी.एम.डी. भ्राता गौतम बंदोपाध्याय और मध्य रेलवे, मुम्बई के एफ.ए. एण्ड सी.ए.ओ. भ्राता बी. पाण्डे।

इनके अतिरिक्त संस्था के मुख्यालय से बी.के. डा. सतीश गुप्ता, बी.के. डा. प्रेम मसंद, बी.के. रामनाथ, बी.के. मोहन सिंघल, बी.के. भरत, बी.के. डा. सविता, बी.के. चंदा, बी.के. श्रीनिधि तथा मुम्बई से आए बी.के. अल्का, बी.के. कुन्ती, बी.के. राजकुमारी, बी.के. कविता, बी.के. निधी, बी.के. संगीता, बी.के. नीरजा, बी.के. रीना, बी.के. किशोर के अलावा बी.के. मुकुल, पूना; बी.के. पियुष, दिल्ली; बी.के. मोतीलाल, दिल्ली; बी.के. संजय, पटना; बी.के. अनीता, चण्डीगढ़; बी.के. रीना, भोपाल; बी.के. कमल, नारनौल तथा ओ. आर.सी. से पधारी बी.के. ख्याति ने भी अपने विचार व्यक्त किये।